परामर्श प्रमुख

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन
अहमदाबाद

श्री कैलाशचंदजी जैन
झाँसी

डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256
प्रधान संपादक
राजेन्द्र जैन ''बागो'', 9424013136
सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884
कोषाध्यक्ष –
सुधेश कुमार जैन, 9827254111
प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227
(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

परम संरक्षक
श्री सुभाषचंद जैन, बोरीवली, मुंबई

संरक्षक
डॉ. प्रकाशचंद जैन, सागर

श्री अनिलकुमार जैन
छतरपुर
9425879777

श्री विशाल जैन
पवा
9453167716

यदि आपको गोलालारीय दर्शन पत्रिका प्राप्त नहीं हो रही है तो अपने शहर के क्षेत्रीय प्रतिनिधियों से संपर्क कर पत्रिका प्राप्त करें।

शेष क्षेत्रीय प्रतिनिधियों की सूची आगामी अंकों में...

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	– 21000/–
परम संरक्षक(अ.जा.)	– 11000/–
संरक्षक (अ.जा.)	– 5100/–
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	– 2100/–
आजीवन शुल्क	– 1100/–
पंचवर्षीय सहयोग	– 250/–

आप गोलालारीय दर्शन में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बैंक खाता क्रं. 63048875855 में जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी कार्यालय पर अवश्य भेंजे ताकि सहयोग राशि की रसीद आपको भेज सके ।

विज्ञापन शुल्क

अंतिम पेज कलर	6000/–
फुल पेज कलर (अंदर)	5000/–
फुल पेज (श्वेतश्याम)	3000/–
1/2 पेज कलर	3000/–
1/4 पेज कलर	1500/–
मांगलिक बधाई फोटो सहित	1000/–
शोक संदेश फोटो सहित	500/–
बॉयोडाटा फोटो सहित	150/–

क्षमा धारण करना ही परम धर्म है

विशाल जैन पवा, तालबेहट (ललितपुर)। दशलक्षण पर्व में जिन मेंदिरों में निरंतर धर्म की प्रभावना रही जिसमें धर्मावलम्बी कठिन तप के द्वारा प्रभु की भक्ति, आराधना करते रहे। पर्व समापन पर सिद्ध क्षेत्र पावागिरीजी में क्षमावाणी महापर्व मनाया गया। जहां सभी ने गतवर्ष में हुई गलतियों की क्षमा याचना मांगी। प्रात: अभिषेक पूजन के उपरांत अतिशय युक्त चमत्कारी बाबा मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ स्वामी का मस्तिकाभिषेक एवं आत्मकल्याण और विश्वशांति की मंगल भावना के साथ शांतिधारा का आयोजन किया गया। दोपहर को विमानोत्सव में युवा वर्ग सत्य अहिंसा के नारे लगाते हुए एवं महिलाएं मंगल गीत गाते हुए चल रही थी। सबसे आगे भगवान महावीर स्वामी वं आचार्य विद्यासागरजी महाराज के चित्रों की झांकी उसके पीछे धर्म ध्वजा लेकर विनोद बसार एवं मां जिनवाणी को लेकर श्री प्रसन्न जैन बग्गी में चल रहे थे। पर्व के दस दिनों तक प्रात: नित्य पूजा अर्चना के साथ रात्रि में मंगल आरती पश्चात शास्त्र प्रवचन में गौरव भैय्या ने धर्मसभा को संबोधित किया उसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यासागर पाठशाला के द्वारा भजन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें प्रतिभागियों ने भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी। इस अवसर पर पं. विजय कृष्ण, शिखरचंद, राजकुमार, विनोद बैरागी, उत्तमचंद, आनंद जैन, सुमत कुमार, प्रसन्न जैन, महेन्द्र जैन, प्रकाशचंद्र, अभिषेक जैन, अनिलकुमार, प्रवीणकुमार, सौरभ, संदीप, नीलेश, रवि, पुष्पेन्द्र, सुरेन्द्र, नरेन्द्रकुमार, जयकुमार एडव्होकेट, सुकमाल, देवेन्द्र जैन, राकेश, अखलेश जैन, आदिश, सुधीर, मुकुल, राजकुमार, विशाल पवा आदि उपस्थि रहे। कार्यक्रम का संचालन ज्ञानचंद्र पुरा एवं आभार व्यक्त प्रेमचंद नयाखेड़ा और जयकुमार कंधारी ने संयुक्त रुप से किया।

दशलक्षण पर्यूषण महापर्व एवं विश्वमैत्री क्षमावाणी पर्व संपन्न

राजेश जैन, झाँसी। दशलक्षण पर्यूषण महापर्व आज विश्वमैत्री क्षमावाणी के साथ संपन्न हुआ। इन दस दिनों तक ज्ञान, संस्कार एवं दस धर्मो की गंगा बहती रही एवं आचार्य श्री विनिश्चयसागरजी द्वारा ध्यान शिविर लगाया गया। मैनपुरी उ.प्र. से पधारें विद्वान पं. शिवचरणलालजी जैन ने सारे धार्मिक कार्यक्रमों को विधि विधान से संपन्न कराया। यह झाँसी जैन समाज का परम सौभाग्य है कि अभी तक के इतिहास में प्रथम बार झाँसी में दो आचार्य महाराज के चातुर्मास हो रहे हैं। प्रथम चातुर्मास आचार्य चन्द्रसागरजी ससंघ करगुवांजी में एवं आचार्य श्री विनिश्चय सागरजी ससंघ 'सप्तऋषि' चातुर्मास शहर में हो रहा है। इस दौरान आचार्य श्री विनिश्चयसागरजी ने दो सेमिनारों का आयोजन कराया। प्रथम जैन युवा संस्कार संवर्धन सेमिनार इन विषयों पर आयोजित किया गया – * युवाओं की वर्तमान में सोच का विचार * वर्तमान परिवेश एवं वेशभूषा * युवाओं का समाज के प्रति कर्त्तव्य * जैन दर्शन में संस्कृति व अनुशासन * माता पिता के प्रति दायित्व * परिवार में सांमजस्य कैसे आदि ज्वलंत विषयों पर बाहर से पधारे विद्वान एवं प्रशिक्षकों सहित युवाओं ने सेमिनार में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। इसी प्रकार दूसरा सेमिनार ''जैन दाम्पत्य संस्कार सृजन'' का किया गया। इस सेमिनार में युवाओं के साथ साथ सैकड़ों दम्पत्तियों ने भाग लेकर अपनी जिम्मेदारी एवं कर्त्तव्यों के साथ परिवार मे सुख शांति कैसे स्थापित हो उसको भलिभांति जाना। यह दोनों सेमिनार आने वाले समय में झाँसी जैन समाज के लिये मील के पत्थर साबित होंगे क्योकि पूजा शिविर के अलावा इस तरह के सेमिनारों से समाज की दशा एवं दिशा निश्चित रुप से बदलेगी। आचार्य श्री विनिश्चसागरजी के सानिध्य एवं श्री प्रदीप जैन 'आदित्य', केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री भारत सरकार के मुख्य आतिथ्य में विश्व मैत्री दिवस क्षमा वाणी पर्व मनाया गया। एक विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री ने अपनी दिव्य देशना में कहा कि क्षमा पर्व मनाने से अपने भावों में निर्मलता आती है एवं आपस में वात्सल्य की सुगंध महकती है। आचार्यश्री ने कहा कि जीवन में क्रोध, मान, ईर्ष्या, लोभ कम हो जाता है एवं क्षमा धर्म प्रारंभ हो जाता है।

इस अवसर पर प्रदीप जैन आदित्य ने कहा कि दस धर्मो को स्वीकार करना ही क्षमा धर्म है एवं विचार ब्रह्माण्ड की सबसे बड़ी शक्ति है और क्षमा धर्म व्यक्ति के अंतरंग को सरल बनाने की प्रक्रिया है उन्होंने कहा कि अपने कर्मों की निर्जरा करके आत्मकल्याण की ओर बढ़े। समाज के प्रतिभावान बच्चों को 'गोलालारीय दर्शन' परिवार की ओर से प्रशस्ति पत्र भी भेंट किये गये। इस मौके पर आचार्यश्री की मंगल प्रेरणा से प्रकाशित साहित्य का विमोचन केन्द्रीय मंत्री एवं समाज के श्रेष्ठीजनों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मंगलाचरण सुश्री महिमा जैन एवं आभार प्रवीण जैन ने व्यक्त किया।

अमेरिका में भी धूमधाम से मनाया गया दशलक्षण पर्व

आशीष जैन, वाशिंगटन। जैन सोसायटी ऑफ मेट्रोपोलियन ऑफ वाशिंगटन के जैन समुदाय के सदस्यों द्वारा हर्षोल्लास पूर्वक दशलक्षण पर्व मनाया गया। जैन सेंटर में साधर्मी सदस्यों ने सपरिवार प्रत्येक दिन अभिषेक, पूजा एवं प्रवचन में बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस सेंटर में दिगम्बर एवं श्वेताम्बर समाज के 600 से अधिक परिवार के लगभग 1100 सदस्य जुड़े है। विडियो कान्फ्रेंसिंग के द्वारा भारत की स्वानुभूति जैन ने बच्चों एवं बड़ो को जैन धर्म के सिद्धांतों की जानकारी दी गई, साथ ही अनुभवी सदस्यों के साथ बच्चों को अभिषेक एवं पूजा पद्धति का शिक्षण भी प्रदान किया गया। संध्याकालीन सत्र में आरती पश्चात प्रवचन माला मे बारह भावना के भाव को अपने जीवन में अंगीकार कर जीवन को सरल बनाने की शिक्षा दी। पर्व समापन पर क्षमावाणी पर्व आयोजित कर सदस्यों ने क्षमायाचना की।

आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज पर मुद्रित डाक टिकट का अनावरण

प्रकाशचंद जैन, नागपुर। रामटेक में प्रात: स्मरणीय आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के सानिध्य में दिनांक 15 सितम्बर को विशाल जनसमुदाय के समक्ष परम पूज्य आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज पर मुद्रित डाक टिकट का अनावरण किया गया। सभा में उपस्थित जनसमुदाय ने करतल ध्वनि से भारत सरकार के इस कार्य की सराहना कर धन्यवाद दिया।

अहमदाबाद की जैन युवा समिति के साथियों द्वारा समग्र गोलालारीय समाज को एक छत के नीचे आने का अद्भुत प्रयास किया गया है www.jaingolalariya.org के द्वारा संपूर्ण विश्व में गोलालारीय परिवार के सदस्य अपनी जानकारी इसमें दर्ज करा सकते है एवं दर्ज जानकारियों का अवलोकन भी कर सकते है। जैसे कि परिवार अपने फोटो, गौत्र, रक्त समूह एवं विवाह योग्य युवक युवतियों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।